आभार

यह आभार प्रदर्शन मात्र एक औपचारिकता नहीं है। प्रस्तुत शोध कार्य की सफलता के लिए कई लोग मेरे मार्गदर्शक रहे हैं। किसी की एक छोटी सी बात भी इस कार्य को आगे बढ़ाने में मेरी प्रेरणा रही है और सफलता की ओर अग्रसर हुई है। मैं वनस्थली विद्यापीठ के कुलपति **प्रो. आदित्य शास्त्री जी** के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे वनस्थली विद्यापीठ में पी. एच. डी. करने हेतु प्रेरित किया।

मेरे निर्देशक **प्रो. हिमाद्री घोष** के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। यह शोध कार्य केवल आपके अभिप्रेरणा एवं मार्गदर्शन के कारण ही सम्पन्न हुआ है।

डिजाइन संकाय के विभागाध्यक्ष **प्रो. के.डी. जोशी** का मैं विशेष आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने समय–समय पर विभागीय संसाधनों को यथा संभव उपलब्ध कराने की कृपा की और लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

मेरे शोध कार्य को सम्पन्न करने और जटिलताओं का समाधान करने में जिन्होंने मेरा सहयोग किया जिनमें प्रो. इन्दु बसंल, प्रो. मंजु सिंह, प्रो. पुष्पा दुल्लर और प्रो. किरण सरना की मैं हृदय से आभारी हूँ।

मेरे विभाग के सभी प्रिय शिक्षक साथीगण और अन्य साथीगण जिन्होंने मेरा स्नेहपूर्ण सहयोग किया उनकी भी मैं हृदय से आभारी हूँ ।

शोध कार्य हेतु प्रायोगिक कार्य की सफलता के लिए श्री सुशील जैन (सौरभ एक्सपोर्ट, टोंक), श्री महावीर जैन (जैन हैण्डीक्राफ्ट, टोंक), मोहम्मद उर्फ शानू (थ्री स्टार नमदा हैण्डीक्राफ्ट) का विशेष आभार प्रकट करती हूँ। सिराज, ऊमर, अली, सरफराज, महबूब, फईम, सत्यनारायण जी, महेन्द्र और मुन्नी बाई एवं अन्य सभी हस्तशिल्पियों का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मेरे कार्य को प्राथमिकता देते हुए कार्य को सफल बनाया।

श्री कुंजबिहारी (मालपुरा), जिन्होंने मालपुरा के हस्तशिल्पी, नमदा निर्माता एवं व्यापारियों की जानकारी हेतु महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

शोध कार्य को सफल करने हेतु जिला उद्योग केन्द्र, टोंक में कार्यरत 'ईशिता पुरोहित' का हृदय से आभार जिन्होंने हस्तशिल्पी, नमदा निर्माता एवं व्यापारी आदि की जानकारी हेतु महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

नमदा हस्तशिल्प सम्बन्धी अलंकरण संकल्पनाओं को मूर्त स्वरूप देने एवं सफलता से प्रदर्शित करने के लिए तकनीकी सहायता हेतु श्री खुशीराम पांडे (सांगानेर), श्री सचिन बोंडे (मुम्बई) और श्री रमेश मेहरा (व.वि.), श्री मोतीलाल जांगिड (व.वि.) और पुस्तकालय सम्बन्धि कार्य हेतु श्रीमती अर्चना चौधरी के प्रति विशेष आभार प्रकट करती हूँ।

शोधकार्य सम्पन्न होने के कई अधीरता के क्षणों में जिनका साथ रहा वह मेरे पति श्री मेघश्याम गुर्जर और मेरे पुत्र मिहिर का हृदय से आभार।

शोध को अन्तिम स्वरूप तक पहुँचाने में टंकण कार्य हेतु टंकणकर्ता को हार्दिक धन्यवाद।

गुर्जर शर्मिला कृष्णराव